"महाराष्ट्र राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के संविदा शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन"

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2004-2005

निर्देशिका :
डॉ.इन्द्रानी भादुड़ी
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता :
भारत एस. आगलावे
एम.एड् (छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2004:2005

"महाराष्ट्र राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के संविदा शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन"

D- 193

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2004–2005

निर्देशिका :
डॉ.इन्द्रानी भादुड़ी
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता :
भारत एस. आगलावे
एम.एड् (छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ***श्री भारत शामरावजी आगलावे*** *जो कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत् हैं, ने एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघु शोध प्रबन्ध कार्य* ***"महाराष्ट्र राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के संविदा शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन"*** *मेरे मार्गदर्शन में विधिवत् पूर्ण किया है।*

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध कार्य पूर्णतयाः मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र 2004-2005 की एम.एड. शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 05-04-05

निर्देशिका

(डॉ. इन्द्रानी भादुड़ी)
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध **"महाराष्ट्र राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के संविदा शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन"** की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय डॉ. इन्द्रानी भादुड़ी (प्रवाचक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है, जिन्होंने समय-समय पर उचित निर्देशन एवं प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध, आपके द्वारा शोध कार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है, जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक अभिवाचक तथा निर्देशिका के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं, आदरणीय **प्रोफेसर डॉ. एम. सेन गुप्ता**, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा **डॉ. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल**, अधिष्ठाता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे शोधकार्य की सम्पन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया है।

मैं, **डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. के. के. खरे, डॉ. बी. रमेश बाबू, डॉ. के. आर. शर्मा, डॉ. एस. के. गुप्ता, डॉ. मधुलिका पटेल, श्री संजय पंडागले सर,**

श्री आनन्द वाल्मिकी सर, श्रीमती भारती मेडम, डॉ. सुनीती खरे एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया।

मैं, पुस्तकालय अध्यक्ष **श्री पी. के. त्रिपाठी** तथा उनके सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद देना चाहूँगा, जिनके अपूर्व सामायिक सहयोग से शोधकार्य सम्पन्न हो सका है।

मैं, समस्त सहपाठियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य के दौरान प्रदत्त संकलन तथा अन्य सहयोग के लिए आभारी हूँ।

अन्त में शोधकार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोधकार्य में, जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है, उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभारी रहूँगा।

स्थान : भोपाल
दिनांक :

भारत एस. आगलावे
एम.एड. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल

अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण	पृष्ठ
प्रथम	**शोध परिचय**	1 - 19
	प्रस्तावना	1
	प्रभावी शिक्षण	6
	शिक्षक प्रभावशीलता	7
	समस्या का चयन	14
	समस्या का कथन	17
	शोध के चर	17
	समस्या का सीमांकन	17
	अध्ययन के उद्देश्य	18
	शोध की परिकल्पनाएँ	18
द्वितीय	**संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन**	20 - 29
	भूमिका	20
	साहित्य पुनरावलोकन के लाभ	20
	संबंधित साहित्य	21
	उपसंहार	29
तृतीय	**शोध समस्या प्रविधि एवं प्रक्रिया**	31 - 40
	भूमिका	31
	शोध डिजाईन	31
	न्यादर्श	32
	उपकरण का विवरण	35
	शिक्षक प्रभाविता परिसूची	35

अध्याय	विवरण	पृष्ठ
	निर्देशानुसार सलाह	36
	विश्वसनियता	37
	वैद्यता	37
	स्कोरिंग के निर्देश	37
	प्राथमिकता के अनुसार प्रतिक्रिया का विवरण	38
	प्रदत्तों का संकलन	40
	सांख्यिकी की विधियाँ	40
चतुर्थ	**प्रदत्तों का विश्लेषण**	41 - 47
पंचम	**शोधसार, निष्कर्ष एवं सुझाव**	48 - 53
	भूमिका	48
	शीर्षक	49
	अध्ययन के उद्देश्य	49
	परिकल्पनाएँ	50
	न्यादर्श	50
	उपकरण एवं तकनीक	51
	चर	51
	मुख्य परिणाम	51
	सुझाव।	52
	संदर्भ ग्रंथ	54